पाठ - संवादहीन (शेखर जोशी)

कार्यपत्रिका - 01

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)

प्रश्न 1. 'संवादहीन' कहानी के संदर्भ में ताई के जीवन में 'मिट्ठू' की वास्तविक भूमिका क्या थी?

(क) वह केवल एक सुंदर मनोरंजक खिलौना था।

(ख) वह उनके बहू-बेटों को शहर से वापस बुलाने का माध्यम था।

(ग) वह उनके कुंठित वात्सलय, अकेलेपन और संवाद का एकमात्र आत्मीय संबल था।

(घ) वह जगन मास्टर के सिद्धांतों की परीक्षा लेने वाली वस्तु था।

प्रश्न 2. "हाथों के तोते उड़ जाना" मुहावरे का प्रयोग कहानी में किस घटना के लिए सबसे सटीक बैठता है?

(क) ताई का रेलगाड़ी से प्रयागराज की यात्रा पर निकल जाना।

(ख) गनपत द्वारा पिंजरे में हुबहू शक्ल का दूसरा तोता लाकर रख देना।

(ग) तोते का खुले रोशनदान से बाहर आज़ाद आसमान में चले जाना और जगन मास्टर का हतप्रभ रह जाना।

(घ) नए तोते द्वारा ताई को देखकर टुकुर-टुकुर निहारना।

प्रश्न 3. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason Questions):

कथन (A): ताई के बड़े पैतृक घर को कहानी में 'सूना खंडहर' कहकर संबोधित किया गया है।

कारण (R): रोज़गार और आधुनिकता के प्रभाव में ताई के बहू-बेटे गाँव छोड़कर स्थायी रूप से शहरों में बस गए थे और घर में कोई चहल-पहल नहीं बची थी।

(क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।

(ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।

(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 4. व्याकरणिक भेदों के आधार पर निम्नलिखित का सही मिलान (Match the Following) कीजिए: |

स्तंभ 'क' (पाठ के वाक्य)
(1) मिट्ठू ने कोई हरकत नहीं की।
(2) मिट्ठू! अब कैसे कटेगी?
(3) राम-राम कहो, सीताराम कहो।
(4) जीते रहो बेटा, जुग जुग जिओ!

स्तंभ 'ख' (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)
(अ) इच्छावाचक वाक्य
(ब) आज्ञावाचक वाक्य
(स) निषेधवाचक वाक्य
(द) प्रश्नवाचक वाक्य

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 5. शेखर जोशी की कहानियों में मुख्य रूप से किस वर्ग के जीवन-संघर्षों को प्रमुखता से उभारा गया है?

उत्तर - ....

....

....

....

egyanarchive

प्रश्न 6. गनपत ने ताई की वापसी से पूर्व जगन मास्टर को क्या व्यावहारिक सुझाव दिया था?

उत्तर - ....

....

....

....

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 7. "कटेगी! कटेगी!! कटेगी!!!" - मिट्ठू के इस पुनरुक्ति कथन से वृद्ध ताई के थके हुए शरीर और मन पर क्या जादुई प्रभाव पड़ता था ?

उत्तर - ....

....

....

प्रश्न 8. जगन मास्टर तोते को पिंजरे में कैद देखकर स्वयं को दोषी या पापी क्यों अनुभव करते थे ?

उत्तर - ....

....

....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 9. "पक्षी भले ही मनुष्यों के कितने भी निकट रहें, परंतु स्वतंत्रता उनकी मूल चेतना है।" 'संवादहीन' कहानी के मुख्य घटनाक्रम के आलोक में इस कथन की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 10. आज के एकल परिवारों (Nuclear Families) और महानगरीय संस्कृति में वृद्ध पीढ़ी में बढ़ते 'अकेलेपन और अवसाद' को दूर करने के लिए युवाओं को कौन-से नैतिक कदम उठाने चाहिए? एक संक्षिप्त कार्य-योजना प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

1. **उत्तर:** (ग) वह उनके कुंठित वात्सलय, अकेलेपन और संवाद का एकमात्र आत्मीय संबल था
2. **उत्तर:** (ग) तोते का खुले रोशनदान से बाहर आज़ाद आसमान में चले जाना और जगन मास्टर का हतप्रभ रह जाना
3. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है
4. **उत्तर मिलान:** (1) -> (स), (2) -> (द), (3) -> (ब), (4) -> (अ)।
5. **उत्तर:** शेखर जोशी के कथा साहित्य में ग्रामीण-शहरी मध्यवर्गीय समाज और कारखानों में काम करने वाले मजदूरों के जीवन-संघर्षों को उभारा गया है।
6. **उत्तर:** गनपत ने सुझाव दिया था कि ताई के लौटने से पहले मिट्ठू की ही शक्ल-सूरत का एक दूसरा तोता लाकर पिंजरे में रख दिया जाए ताकि ताई को सच न पता चले।
7. **उत्तर:** जब ताई जीवन की संध्या में थककर हताश होती थीं, तो मिट्ठू के इन शब्दों से उन्हें एक गहरा मानसिक संबल, दिलासा और जीने की नई उम्मीद मिलती थी, जिससे उनके थके शरीर में दोबारा प्राण लौट आते थे।
8. **उत्तर:** क्योंकि जगन मास्टर स्वतंत्र और उदार विचारों के व्यक्ति थे। किसी आज़ाद गगन के पंछी को लोहे की सलाखों के पीछे बंधक देखना उनकी आंतरिक नैतिकता को स्वीकार नहीं था, उन्हें लगता था कि वे भी इस पाप में शामिल हैं।
9. **उत्तर:** कहानी दर्शाती है कि ताई ने मिट्ठू को अपार लाड़-प्यार दिया, उसके लिए दाल-भात बनाया और सुरक्षित रखा। शुरुआत में मिट्ठू पिंजरे का आदी भी लगा। परंतु जैसे ही उसने खुले रोशनदान से बाहर की आज़ाद दुनिया और वृक्षों को देखा, उसका प्राकृतिक वन्य स्वभाव जाग उठा और वह सुख-सुविधाओं की गुलामी छोड़कर आज़ाद उड़ गया। यह सिद्ध करता है कि आज़ादी हर जीव का मूल स्वभाव है।
10. **उत्तर (नैतिक कार्य-योजना):** * नियमित अंतराल पर दादा-दादी या वृद्ध माता-पिता से फ़ोन या वीडियो कॉल के माध्यम से संवाद बनाए रखना।
    - छुट्टियों में अनिवार्य रूप से पैतृक गाँवों में जाकर समय बिताना।
    - उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्थानीय वृद्ध कल्याण क्लबों या अनौपचारिक बैठकों (बाल-सभा) में प्रवृत्त करना।
    - उनकी भोजन, स्वास्थ्य संबंधी छोटी-छोटी प्राथमिकताओं और रुचियों का सम्मान करना।

egyanarchive

अध्याय: संवादहीन (शेखर जोशी)

कार्यपत्रिका - 02

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: अपठित गद्यांश एवं भाषा-बोध (Comprehension & Grammar)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखिए:

"स्वतंत्रता केवल मनुष्यों का ही नहीं, बल्कि इस सृष्टि के प्रत्येक मूक पशु-पक्षी का भी प्राकृतिक अधिकार है। किसी पक्षी को सोने के पिंजरे में बंद करके कटोरी में मैदा-दाल देना उसकी शारीरिक भूख तो मिटा सकता है, परंतु उसकी आंतरिक चेतना और आज़ाद गगन में पंख तौलने की स्वाभाविक इच्छा को हमेशा के लिए कुंठित कर देता है। सच्ची जीव-दया यह नहीं है कि हम उन्हें बंधक बनाकर पालें, बल्कि यह है कि हम उन्हें उनके प्राकृतिक परिवेश में स्वतंत्र उड़ने दें। पराधीनता में मिलने वाला सुख भी अंततः मानसिक यातना का रूप ले लेता है, इसलिए पिंजरे के दरवाज़े खोलना ही वास्तविक करुणा है।"

प्रश्न 1. गद्यांश के अनुसार, 'सच्ची जीव-दया' का वास्तविक अर्थ क्या है?

(क) पक्षियों को सोने के महंगे पिंजरे में सुरक्षित बंद रखना।

(ख) पक्षियों को उनके प्राकृतिक परिवेश में पूरी तरह स्वतंत्र उड़ने देना।

(ग) तोते को दिन-रात बैठकर 'राम-राम सीताराम' रटाना।

(घ) पक्षियों के खाने के लिए नाँद में नियमित रूप से दाना-पानी रखना।

प्रश्न 2. पाठ के व्याकरण के अनुसार, 'वक्त-बेवक्त' और 'शादी-ब्याह' शब्दों को किस श्रेणी में रखा जाएगा?

(क) ये संख्यावाची द्विगु समास के उदाहरण हैं। (ख) ये जोड़े में लिखे जाने वाले 'शब्द-युग्म' हैं।

(ग) ये विस्मयादिबोधक अव्यय पद हैं। (घ) ये पूर्णतः तत्पुरुष समास के उदाहरण हैं।

प्रश्न 3. "जीते रहो बेटा, जुग जुग जिओ!"—अर्थ के आधार पर यह वाक्य किस भेद के अंतर्गत आएगा?

(क) निषेधवाचक वाक्य (ख) प्रश्नवाचक वाक्य

(ग) इच्छावाचक वाक्य (घ) संकेतवाचक वाक्य

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 4. 'संवादहीन' कहानी में मिट्ठू तोते के अतिरिक्त ताई के जीवन की पुरानी स्मृतियों में कौन-सा रोबीला चेहरा बार-बार उभरता था?

उत्तर - ....

....

....

प्रश्न 5. 'पक्षी के उड़ने पर पंखों के हिलने-डुलने से उत्पन्न ध्वनि' के लिए पाठ में किस विशिष्ट ध्वन्यात्मक शब्द का प्रयोग किया गया है?

उत्तर - ....

....

....

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 6. ताई अपने प्रिय मिट्ठू तोते को कुंभ-स्नान के लिए अपने साथ प्रयागराज क्यों नहीं ले जा सकीं? मुख्य कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - ....

....

egyanarchive

....

....

प्रश्न 7. कहानी के अंत में जब ताई कुंभ-स्नान से लौटकर पिंजरे के पास गईं, तो वहाँ क्या अस्वाभाविक और दुखद स्थिति उत्पन्न हुई?

उत्तर - ....

....

....

....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 8. "बहू-बेटे गाँव का मोह छोड़कर शहरों के होकर रह गए"। शेखर जोशी ने इस संक्षिप्त वाक्य के माध्यम से आज के भारतीय ग्रामीण समाज की किस गंभीर सामाजिक विसंगति, पलायन और बुजुर्गों के दर्द पर तीखा कटाक्ष किया है? सविस्तार उत्तर लिखिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 9. "पिंजरे में बंद मिट्ठू को देखकर जगन मास्टर को बेचैनी होने लगती थी"। यदि आपके पड़ोस में भी कोई व्यक्ति वन्य जीवों या पक्षियों को अवैध रूप से पिंजरे में कैद करके रखता है, तो आप एक जागरूक छात्र के नाते उसे मुक्त कराने और जीव-संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए क्या रचनात्मक कदम उठाएँगे?

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 02)

- **प्रश्न 1. उत्तर:** (ख) पक्षियों को उनके प्राकृतिक परिवेश में पूरी तरह स्वतंत्र उड़ने देना।
- **प्रश्न 2. उत्तर:** (ख) ये जोड़े में लिखे जाने वाले 'शब्द-युग्म' हैं।
- **प्रश्न 3. उत्तर:** (ग) इच्छावाचक वाक्य (आकांक्षा या आशीर्वाद व्यक्त करने के कारण)।
- **प्रश्न 4. उत्तर:** ताई की स्मृतियों में उनके बीते दिनों के वैभव के प्रतीक **'जमींदार साहब का रोबीला चेहरा'** बार-बार उभरता था।
- **प्रश्न 5. उत्तर:** पंखों के हिलने-डुलने से उत्पन्न ध्वनि के लिए **'फड़फड़ाहट'** शब्द का प्रयोग किया गया है।
- **प्रश्न 6. उत्तर:** ताई मिट्ठू को इसलिए नहीं ले जा सकीं क्योंकि रेलगाड़ी में उसका भी टिकट लगने की बात कही गई थी, और सबसे बढ़कर ताई को कुंभ मेले की अत्यधिक भीड़-भाड़ और आपाधापी में मिट्ठू की सुरक्षा और जीवन का पूरा भरोसा नहीं था।
- **प्रश्न 7. उत्तर:** ताई ने सोचा था कि उन्हें देखते ही मिट्ठू चहचहाने लगेगा, परंतु वहाँ गनपत द्वारा रखा गया 'एवजी तोता' (नया तोता) बैठा था। वह ताई को देखकर पूरी तरह अनजान बना रहा और बिना कोई हरकत किए टुकुर-टुकुर देखता रहा, जिससे आत्मीय संवाद पूरी तरह बंद (संवादहीन) हो गया था।
- **उत्तर:** लेखक ने आधुनिक युग में गाँवों से शहरों की ओर होने वाले **तीव्र आर्थिक पलायन** पर गहरा प्रहार किया है। आज की युवा पीढ़ी सुख-सुविधाओं और रोज़गार की तलाश में अपने पैतृक गाँवों और बूढ़े माता-पिता को पीछे अकेला छोड़ जाती है। इसके परिणामस्वरूप, गाँवों की हवेलियाँ और बड़े घर सूने खंडहरों में बदल जाते हैं और वृद्ध पीढ़ी जीवन के अंतिम पड़ाव में बात करने वाले आत्मीय साथी के अभाव में भयंकर अकेलेपन, अवसाद और 'संवादहीनता' का शिकार होने को विवश होती है।
- **प्रश्न 9. उत्तर (HOTS - छात्र कार्य-योजना):** वन्य जीव संरक्षण के प्रति एक जागरूक छात्र के रूप में मेरे निम्नलिखित रचनात्मक कदम होंगे:
    1. **शालीन समझाइश:** मैं अपने अड़ोस-पड़ोस के उस व्यक्ति के पास जाकर अत्यंत विनम्रतापूर्वक यह समझाऊँगा कि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत तोते या किसी वन्य पक्षी को कैद करना कानूनी रूप से दंडनीय अपराध है और आज़ादी हर जीव का प्राकृतिक अधिकार है।
    2. **जागरूकता अभियान:** मैं अपनी बाल-सभा के मित्रों के साथ मिलकर मोहल्ले में 'पक्षी बचाओ, पिंजरा हटाओ' का एक छोटा सा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करूँगा और गर्मियों में पक्षियों के लिए छतों पर सकोरे (पानी के बर्तन) रखने की मुहिम चलाऊँगा।
    3. **कानूनी मदद:** यदि वह व्यक्ति बार-बार समझाने पर भी क्रूरता बंद नहीं करता, तो मैं अपने माता-पिता या शिक्षकों की सहायता से स्थानीय 'पशु क्रूरता निवारण संस्था' (SPCA) या वन विभाग के हेल्पलाइन नंबर पर इसकी गुप्त शिकायत करूँगा ताकि उन बेज़ुबान पक्षियों को आज़ाद कराया जा सके।

egyanarchive